भारत के राष्ट्रपति
श्री राम नाथ कोविन्द जी का
गुरु घासीदास सामुदायिक भवन के भूमि पूजन
के अवसर पर सम्बोधन

गिरौदपुरी, नवंबर 06, 2017

1. गुरु घासीदास जी के उपदेशों ने सतनामी समाज के साथ-साथ पूरे छत्तीसगढ़ को समाज सुधार की दिशा में आगे बढ़ाया है और पहचान दी है। उनकी जन्मभूमि, तपोभूमि और कर्मभूमि होने के नाते यह स्थान एक तीर्थ स्थल है। यहां आने वाले धन्य हैं कि उन्हें ऐसे संत की महानता तथा उसके सामाजिक दर्शन को समझने का एक मौका मिलता है।
2. हमारे देश का सौभाग्य है कि समाज में जब-जब निराशा बढ़ी है, तब-तब गुरु घासीदास जी जैसे संतों ने समाज को नई आशा और नई दिशा दी है। गुरु घासीदास जी ने आज से लगभग दो सौ साल पहले यहां के बिखरे हुए समाज को सुधारने का महान कार्य किया। उन्होने गरीबों, विशेषकर दलितों के हित में तथा सभी सामाजिक बुराइयों और अन्याय के खिलाफ एक संघर्ष छेड़ा था। उन्होने जो काम किया वह जन-जागरण की शानदार मिसाल है।
3. गुरु घासीदास जी ने समझाया कि सत्य ही ईश्वर का दूसरा नाम है। सत्य आचरण ही धर्म है। गुरुजी को तो ज्ञान मिल ही गया था। लेकिन लोगों के कल्याण के लिए उन्होने एकांतवास छोडकर समाज के शोषित वर्ग के कल्याण के लिए काम करना शुरू किया। उनका प्रभाव बढ़ता ही गया। आज छत्तीसगढ़ में उनके लाखों अनुयायी हैं। सभी धर्मों के लोग गुरु घासीदास जी के प्रति गहरा सम्मान रखते हैं।
4. गुरु घासीदासजी ने लोगों में ऊंच-नीच और छुआ-छूत की भावना को समाप्त करने का प्रयास किया। उन्होने भाईचारा और समरसता का संदेश दिया; निजी जीवन में नैतिकता बरतने की शिक्षा दी; खान-पान की सादगी पर ज़ोर दिया। नुकसान-देह धार्मिक रूढ़ियों पर उन्होने प्रहार किया, जो कि एक आधुनिक समाज के निर्माण के लिए जरूरी था। उन्होने महिलाओं के सम्मान पर ज़ोर दिया और विधवा विवाह का समर्थन किया।
5. प्रत्येक मार्च के महीने में यहां श्रद्धालुओं को जो मेला लगता है, वह देखते ही बनता है। वह मेला समानता की भावना को मजबूत बनाने का एक सामूहिक उत्सव होता है।

6. सबसे पहले गुरु घासीदास जी ने गिरौदपुरी में ही जोड़ा जैतखाम स्थापित किया था। आज का आधुनिक जैतखाम सतनामी समाज का केंद्र होने के साथ साथ पूरे समाज के लिए शांति, अहिंसा, प्रेम, और करुणा का प्रतीक है।
7. मैं इस जैतखाम की ऊंचाई में गुरु घासीदास के प्रति लोगों के दिल में बसी आस्था की गहराई भी देखता हूँ। इस जैतखाम के वास्तुशिल्प और सुंदरता की जितनी तारीफ की जाए वह कम है। इसका निर्माण कराने के लिए मैं राज्य सरकार और डॉक्टर रमन सिंह की सराहना करता हूँ।
8. गुरु घासीदास के मंदिर में और जैतखाम का दर्शन करते हुए मैं सोच रहा था कि जिस तरह महात्मा बुद्ध के कारण गया को 'बोधगया' का दर्जा मिला, उसी तरह गुरु घासीदास के कारण गिरौद नाम के गांव को 'गिरौदपुरी धाम' का दर्जा प्राप्त हो गया है।
9. कुछ वर्षों पहले मुझे इस तीर्थ स्थल पर आने का सौभाग्य मिला था। इस क्षेत्र में जहां गुरु घासीदास जी ने तपस्या की थी, वहां रात्रि विश्राम करने और पूरे क्षेत्र का भ्रमण करने का सुअवसर मिला था।
10. आज जिस सामुदायिक भवन की आधारशिला रखी गई है, वह भी गुरु घासीदास जी के आशीर्वाद से एक महत्वपूर्ण आध्यात्मिक केंद्र बनेगा, यह मेरा विश्वास है। इस निर्माण कार्य के लिए भी मैं मुख्यमंत्री जी की सराहना करता हूँ।
11. बिलासपुर में गुरु घासीदास जी के नाम से जो विश्वविद्यालय है उसे केंद्रीय विश्वविद्यालय का दर्ज़ा प्राप्त हुआ है। मैं आशा करता हूँ कि इस विश्वविद्यालय के छात्र देश और विदेश में उनके आदर्शों और उपदेशों को अपने आचरण के बल पर प्रसारित करेंगे।
12. मुझे विश्वास है कि छत्तीसगढ़ में गुरु घासीदास जी के आदर्शों के अनुसार समानता और एकता पर आधारित समाज के निर्माण का कार्य छत्तीसगढ़ की जनता और सरकार मिलजुलकर आगे बढाते रहेंगे।

धन्यवाद,

जय हिन्द।